वक्त तो लगता है भजन लिरिक्स

बरसो पाप किये है हमने,
चुपके चोरी चोरी,
इतने पापों को धोने में,
वक्त तो लगता है,
पावन और निर्मल होने में,
वक़्त तो लगता है,
इतने पापो को धोने में,
वक़्त तो लगता है।bd।

हमने नफरत के पौधों को,
जीवन में सींचा,
प्रेम के बीज यहाँ बोने में,
वक़्त तो लगता है,
इतने पापो को धोने में,
वक़्त तो लगता है।bd।

एक दो चार नहीं तेरी मांगे,
मांग हज़ारो है,
इतनी चाहत को पाने में,
वक़्त तो लगता है,
इतने पापो को धोने में,
वक़्त तो लगता है।bd।

दुनिया के चक्कर में फसा तू,
मोह के फंदे में,
घर से इस दर तक आने में,
वक़्त तो लगता है,
इतने पापो को धोने में,
वक़्त तो लगता है।bd।

बरसो पाप किये है हमने,
चुपके चोरी चोरी,
इतने पापों को धोने में,
वक्त तो लगता है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पावन और निर्मल होने में,
वक़्त तो लगता है,
इतने पापो को धोने में,
वक़्त तो लगता है।bd।

स्वर – शीतल पांडेय जी।
प्रेषक – निलेश मदन लालजी खंडेलवाल।
धामनगांव रेलवे 9765438728

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com